मोड्यूल 4 : नवजात शिशु की पहली जाँच

सत्र 6 : नवजात शिशु की पहली जाँच - फॉर्म भाग 2

दिवस : 3
समयावधि : 3 घंटें 5 मि.

प्रयोजन

यह सीखना कि नवजात शिशु की पहली जाँच के लिये क्या–क्या करना है तथा नवजात शिशु की पहली जाँचः फॉर्म ठीक से भरने का अभ्यास कराना।

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशा में निम्न योग्यता आएँगी –

1) यह समझाना कि नवजात शिशु की जाँच कैसे करें, और नवजात शिशु की पहली जाँचः फॉर्म ठीक से भरना।

सामग्री

- अभ्यासपत्र 1 : नवजात शिशु की पहली जाँच : फॉर्म
- अभ्यासपत्र 2 : केस प्रस्तुति : नवजात शिशु की पहली जाँचः फॉर्म भरना।
- अध्ययनपत्र 1 : स्वस्थ नवजात शिशु तथा रोगी नवजात शिशुओं के फ़ोटो।

तैयारी

- प्रशिक्षणार्थियों की संख्या के अनुसार अभ्यासपत्र 1 और 2 तथा अध्ययनपत्र 1 की पर्याप्त प्रतियाँ तैयार रखें।

प्रशिक्षण विधि

<u>प्रस्तुति तथा चर्चा</u> (1 घंटा 30 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. प्रशिक्षक प्रशिक्षणार्थियों से नवजात शिशु की पहली जाँच : फॉर्म भाग 2 को देखने को कहें।
2. प्रशिक्षक इस भाग के हर प्रश्न (प्रश्न 1–7) को पढ़ें और समझाएँ (विषय–वस्तु बाक्स देखें)।
3. यदि कोई प्रश्न हों तो उनका समाधान करें।
4. प्रशिक्षणार्थियों से पूछें कि क्या उन्होंने ऐसे शिशु देखे हैं जिनकी आँखों से पानी बह रहा है, या होंठ कटे हुए हैं, या एक हाथ या पैर लुंज–पुंज हैं।
5. बताएँ कि यह कैसे देखें और सही उत्तर पर निशान लगाएँ। अध्ययन पत्र में दिये फ़ोटो की मदद से स्वस्थ तथा अस्वस्थ शिशुओं की पहचान कराएँ।

विषय–वस्तु

शिशु की जाँच

1. **शिशु के शरीर का तापमान :** शिशु के शरीर का तापमान मापकर खाली जगह में लिखें (आवश्यक हो तो सत्र–नवजात शिशु का तापमाप मापना दोहराएँ)।
2. **आँखें – स्वस्थ /सूजी हुई अथवा मवाद आना :** शिशु की आँखें देखें। यदि आँख में आँसू जो पारदर्शी होते है, मवाद् जो सफेद या पीला सा होता है, आ रहा हो, तो आँखें स्वस्थ नहीं हैं। सही उत्तर पर फॉर्म में निशान लगायें।
3. **क्या नाल से खून बह रहा है ?:** नाल से खून नही निकलना चाहिए। यदि खून निकल रहा है तो 'हाँ' पर गोल करे। यदि खून नही निकल रहा है तो 'नही' पर गोल करें। यदि नाल से खून बहता हो तो आशा दाई से नाल बंधवा ले। यदि दाई नही है तो आशा स्वयं नाल को फिर से बाँध दे।
4. **वज़न :** शिशु का वज़न निकटतम 50 ग्रा. तक लिखें। (आवश्यक हो तो सत्र – नवजात शिशु का वजन कैसे करे देखें)। पैमाने के रंग पर गोल बनाए, लाल /पीला / हरा।
5. **शिशु संबंधी जानकारी लिखना :** देखें और लिखें कि क्या शिशु के हाथ–पैर लुंज–पुंज हैं, दूध पीना कम या बंद है, रोना धीमे या बंद हैं। (यदि शिशु की जॉच आशा पहले दिन कर रही है तो वह स्वयं देखकर लिखे। यदि जॉच किसी अन्य दिन कर रही है तो मॉ से पूछ कर लिखे)।

   शिशु की नियमित देखभाल : शिशु को साफ, सूखे कपड़े मे लपेटे, उसे गर्म रखे, नहलाए नहीं, मॉ के पास लिटाए तथा स्तनपान शुरू कराए। फॉर्म पर लिखें कि क्या ये सब किया गया।
6. **विटामीन 'के' :** यदि प्रसव अस्पताल मे हुआ तो मॉ से पूछे कि क्या वहॉ यह सुई लगाई गयी, अन्यथा अस्पताल से छुट्टी का कार्ड देखे। यदि उसमे ऐसा न लिखा हो कि सुई लगाई गयी है, तो सुई लगाए। अगली प्रशिक्षण कार्यशाला मे यह आपको सिखाया जाएगा।
7. **अन्य विशेष या नई जानकारी :** इसमे आप शिशु के बारे मे कोई अन्य विशेष बात जो आपने देखी हो जैसे कटे होठ, मुडे हुये पैर – लिखें। जो विशेष बात कहीं और नहीं लिखी जा सकी हो, उसे खाली जगह में लिख सकती हैं।

अभ्यास / केस प्रस्तुति (1 घं. 30 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

- अभ्यासपत्र 2 : केस प्रस्तुति बाँटे।
- प्रशिक्षणार्थी स्वयं नवजात शिशु की पहली जॉच : फॉर्म भरें। सारे भरे हुए फॉर्म इकट्ठा करें। प्रशिक्षक सारे फॉर्म जॉचे और अंक दें। आशा व्दारा भरे हुए फॉर्म इस सत्र का परिणाम है।
- प्रशिक्षणार्थियों में से एक को कहें कि वह केस प्रस्तुति की समीक्षा करें या यह काम आप स्वयं करें।
- कोई प्रश्न हों तो उनका समाधान करें।
- कठिन विषयों को दोहराएँ।

  (प्रशिक्षकों के लिये नोट : केस प्रस्तुति मे कहा गया है – "शिशु के चूचुक सूजे हुये थे"। इसको 'अन्य विशेष जानकारी' में लिखें।)

सारांश (5 मि.)

- पूछें कि शिशु की पहली जाँच कब की जानी चाहिए।
- किसी अन्य प्रशिक्षणार्थी से पूछें कि शिशुओं की शारीरिक जाँच में क्या–क्या देखना चाहिए।
- आशाओं की उनके अच्छे काम के लिए प्रशंसा करें।

सत्र का मूल्यांकन :

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
यह समझाना कि नवजात शिशु की जॉच कैसे करें और नवजात शिशु की पहली जॉचः फॉर्म ठीक से भरना	प्रश्न–उत्तर केस प्रस्तुति. प्रत्येक आशा नवजात शिशु की पहली जॉच : फॉर्म पूरा और सही भरे।	आशाओं व्दारा भरे हुए तथा प्रशिक्षक व्दारा जॉचे गये नवजात शिशु की पहली जॉच : फॉर्म